आरोप | सुरक्षा अधिकारी पर गंभीर आरोप, कंपनी को लाखों का चूना

# एसईसीएल सोहागपुर एरिया की सुरक्षा में सेंध!

**नवभारत ,धनपुरी।** एसईसीएल सोहागपुर एरिया में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जिन कंधों पर कंपनी की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है, वही अब व्यवस्था को कमजोर करने में लगे होने के आरोपों से घिरते नजर आ रहे हैं। क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी पर कंपनी संसाधनों के दुरुपयोग, सुरक्षा व्यवस्था में भारी लापरवाही और कोयला चोरी को संरक्षण देने जैसे गंभीर आरोप लग रहे हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कंपनी की सुरक्षा के लिए तैनात वाहनों का खुलेआम निजी कार्यों में इस्तेमाल किया जा रहा है। आरोप है कि इन वाहनों से घर का सामान, सब्जियां, घरेलू कामकाज और यहां तक कि घरेलू सहायकों को लाने-ले जाने तक का कार्य कराया जा रहा है। सवाल यह उठ रहा है कि आखिर कंपनी की संपत्ति का इस तरह निजी उपयोग किसकी अनुमति से हो रहा है?

जानकारी यह भी सामने आई है कि सुरक्षा कर्मियों की तैनाती में बड़ा खेल चल रहा है। जिन स्थानों पर वास्तविक सुरक्षा की आवश्यकता है, वहां पर्याप्त गार्ड

नहीं लगाए जाते, जबकि कई कर्मचारियों को कथित रूप से 'कमाई वाली पोस्टिंग' देकर मलाईदार जगहों पर तैनात किया जाता है। सूत्रों का कहना है कि इस पूरे खेल से कुछ खास लोगों की जेबें गर्म हो रही हैं और कंपनी को हर महीने लाखों रुपए का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

सबसे गंभीर आरोप कोयला चोरी को लेकर सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि मुंडा दफाई कोयला साइडिंग से प्रतिदिन पिकअप वाहनों के माध्यम से कथित तौर पर कोयले की अवैध निकासी की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह खेल लंबे समय से जारी है और बिना संरक्षण के इतना बड़ा नेटवर्क संचालित होना संभव नहीं है। क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी की भूमिका को लेकर भी कई तरह की चर्चाएं तेज हैं।

सूत्रों ने यह भी दावा किया है कि 'संडे ड्यूटी' और ओवरटाइम का खेल भी पूरी तरह सेटिंग पर आधारित है। जिन कर्मचारियों पर कोयला, लोहा और कबाड़ चोरी कराने वालों से सांठगांठ के आरोप हैं, उन्हीं को विशेष लाभ दिए जाने की चर्चा क्षेत्र में जोरों पर है। ईमानदार कर्मचारियों को नजरअंदाज कर कथित रूप से अपने चहेतों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। इधर, क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी इन दिनों ऑफिसर्स एसोसिएशन के चुनाव में व्यस्त बताए जा रहे हैं, जबकि दूसरी ओर क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। सवाल यह है कि जब सुरक्षा व्यवस्था संभालने वाले अधिकारी ही चुनावी राजनीति में उलझे रहेंगे, तो कंपनी की संपत्ति की सुरक्षा कौन करेगा?

जानकारों का कहना है कि सांगमा साइडिंग से भी प्रतिदिन भारी मात्रा में कोयला चोरी की शिकायतें सामने आती रही हैं। स्थानीय जनता तक को इस अवैध कारोबार की जानकारी है, लेकिन सुरक्षा विभाग को इसकी भनक तक नहीं लगना कई गंभीर सवाल खड़े करता है।

लगातार विवादों और मीडिया सुर्खियों में रहने वाले इस क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी की कार्यप्रणाली अब पूरे एसईसीएल प्रबंधन की साख पर सवाल खड़े कर रही है। कर्मचारियों और स्थानीय लोगों में चर्चा है कि यदि समय रहते जांच नहीं हुई, तो कंपनी को करोड़ों रुपए का नुकसान उठाना पड़ सकता है।

अब देखना यह होगा कि एसईसीएल प्रबंधन इन गंभीर आरोपों पर क्या कार्रवाई करता है, या फिर हमेशा की तरह मामला फाइलों में दबाकर छोड़ दिया जाएगा।

**इनका कहना है**

जब क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी अमित सिंह से इस संबंध में जानकारी लेने के लिए हमारे नवभारत प्रतिनिधि ने फोन लगाया तो सुरक्षा अधिकारी ने फोन नहीं उठाया

## जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नाला सफाई, शिव पूजन और रामायण-कीर्तन का आयोजन

**नवभारत,शहडोल।** गंगा दशहरा महोत्सव के अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सोमवार को चिन्हित जल स्रोतों की साफ-सफाई, मंदिरों में पूजन-अर्चन, रामायण कीर्तन एवं कलश यात्रा जैसे धार्मिक और जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर आयोजित किया गया। अभियान के तृतीय चरण में चिन्हित झुझा नाला एवं भदवाही स्थित नाले और चौपाल परिसर की साफ-सफाई कर जल स्रोतों के संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके बाद शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं विधिवत पूजन-अर्चन ग्राम पंचायत भदवाही के सरपंच द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महिलाओं द्वारा शिव भजन और भोले बाबा के गीतों के साथ हुई। महिलाओं ने उत्साहपूर्वक कलश यात्रा निकालते हुए शिव मंदिर पहुंचकर धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। इस दौरान नवांकुर संस्था आदर्श जन कल्याण सेवा संस्थान समिति रामपुर के सचिव अशोक कुमार अहिरवार सहित सेक्टर क्रमांक 03 चूहिरी की ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।

# जिले में अंगद के पैर की तरह जमें अधिकारी-कर्मचारी

▸ स्थानांतरण नीति पर उठे सवाल, प्रभार व्यवस्था से प्रभावित हो रहा कामकाज

**नवभारत,शहडोल।** जिले में लंबे समय से एक ही पद और एक ही स्थान पर जमे अधिकारियों और कर्मचारियों को लेकर अब असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर स्थानांतरण आवश्यक माना जाता है, लेकिन शहडोल के कई विभागों में यह व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित नजर आ रही है।

हालात यह हैं कि कुछ अधिकारी और कर्मचारी वर्षों से एक ही कुर्सी पर अंगद के पैर की तरह जमे हुए हैं। वहीं दूसरी ओर कई विभाग ऐसे भी हैं, जहां नियमित पदस्थापना न होने के कारण प्रभारियों के भरोसे काम चलाया जा रहा है। इससे न केवल प्रशासनिक कार्यों की गति प्रभावित हो रही है, बल्कि आम नागरिकों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

### राजस्व, वन एवं पुलिस विभाग में हो बदलाव

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, लंबे समय तक एक ही स्थान पर पदस्थ रहने से कार्यशैली में ढीलापन आ जाता है। कई मामलों में मनमानी, पक्षपात और भ्रष्टाचार की आशंकाएं भी बढ़ जाती हैं। इसके बावजूद कुछ अधिकारी-कर्मचारी प्रभाव और संपर्कों के दम पर अपने पसंदीदा स्थानों पर डटे हुए हैं। इससे विभागीय कार्य प्रभावित हो रहे हैं और अन्य कर्मचारियों को अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। जिले में राजस्व, वन एवं पुलिस विभाग सहित अन्य विभागों के कर्मचारी-अधिकारी जिले में वर्षों से डेरा जगाए हुए हैं, कहा जाता है कि इसके मंत्र से चल रहा माफ्रियाओं का तंत्र ।यह स्थिति अब जनचर्चा का विषय बन चुकी है। जनप्रतिनिधियों ने भी चिंता जताते हुए कहा है कि जिले में वर्षों से जमे अधिकारियों और कर्मचारियों की सूची तैयार कर शासन की स्थानांतरण नीति के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। उनका मानना है कि इससे प्रशासन में नई ऊर्जा का संचार होगा और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता व निष्पक्षता सुनिश्चित हो सकेगी।

### प्रशासनिक सुधार की जरूरत

जिले के कई विभागों में नियमित अधिकारियों की कमी के कारण प्रभारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। लेकिन लंबे समय तक यह व्यवस्था चलने से कार्यों की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। निर्णय लेने में देरी और जवाबदेही की कमी भी सामने आ रही है। जानकारों का मानना है कि समयबद्ध स्थानांतरण और नियमित पदस्थापना से न केवल कार्यकुशलता बढ़ती है, बल्कि भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगता है। ऐसे में शहडोल जिले में भी प्रशासनिक सुधार की दिशा में ठोस और पारदर्शी कदम उठाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।अब देखना यह होगा कि जिम्मेदार अधिकारी इस मुद्दे को कितनी गंभीरता से लेते हैं और कब तक अंगद के पैर बने अधिकारी-कर्मचारियों को जिले से बाहर का रास्ता दिखाया जाता है।

एक नजर में

## अनुराग के अग्निवीर में चयन से क्षेत्र में हर्ष का माहौल

**नवभारत, शहडोल।** भारतीय सेना में चयन होना किसी भी युवा के लिए किसी सपने से कम नहीं होता। साथ ही परिवार के लोग भी खुद को गौरवान्वित महसूस करते हैं। हाल ही में भारतीय सेना अग्निवीर की मेरिट सूची जारी की गयी है। जिसमें जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम पंचायत बरकछ निवासी अनुराग गुप्ता पिता रघुवंश प्रसाद गुप्ता उम्र 19 वर्ष का नाम भी शामिल है। अनुराग का कहना है कि वह लगातार 03 वर्षों से कड़ी मेहनत कर रहे थे जिससे उन्हें आखिरकार सफलता प्राप्त हुई। उनका कहना है कि कड़ी मेहनत से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। अनुराग पंडित रामकिशोर शुक्ल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय ब्यौहारी के बीकॉम प्रथम वर्ष के छात्र हैं। जिन्होंने महाविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालय स्तर पर खेल की विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अनुराग की इस सफलता पर उन्हें निकट संबंधियों एवं ग्रामीण जन ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

## नगर में पेयजल समस्याओं के लिए नगरपालिका ने बनाया कंट्रोल रूम

**नवभारत, शहडोल ।** गर्मी के मौसम में बढ़ती पेयजल समस्याओं को देखते हुए नगरपालिका परिषद शहडोल ने नागरिकों की सुविधा के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देश पर यह व्यवस्था लागू की गई है, ताकि शहरवासियों को पानी की सतत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। मुख्य नगरपालिका अधिकारी आशा भंडारी ने बताया कि जिला कलेक्ट्रेट स्थित कंट्रोल रूम के लिए आनंद शुक्ला को प्रभारी नियुक्त किया गया है। पेयजल संबंधी शिकायतों के लिए नागरिक मोबाइल नंबर 8085762622 पर संपर्क कर सकते हैं। वहीं नगर पालिका सभागार स्थित दूसरे कंट्रोल रूम के लिए श्री रामप्रकाश प्रजापति को जिम्मेदारी सौंपी गई है। यहां शिकायत दर्ज कराने हेतु मोबाइल नंबर 9754146627 जारी किया गया है। नगरपालिका प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि पेयजल संबंधी किसी भी समस्या की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम में दें, ताकि समय पर समस्या का निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

# मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में अनियमितता के आरोप, जांच की उठी मांग

▸ ब्यौहारी जनपद में अपात्र हितग्राहियों को लाभ देने का मामला गरमाया

**नवभारत, शहडोल।** मध्यप्रदेश शासन की मुख्यमंत्री कन्या सामूहिक विवाह योजना में कथित अनियमितताओं को लेकर जनपद पंचायत ब्यौहारी में विवाद गहराता जा रहा है। योजना के तहत अपात्र हितग्राहियों को लाभ दिए जाने और प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोप सामने आने के बाद जनपद अध्यक्ष आकांक्षी सिंह ने कलेक्टर शहडोल को शिकायत पत्र सौंपकर मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार 19 अप्रैल 2026 को ग्राम रसपुर स्थित उक्सा बगीचा में मुख्यमंत्री कन्या

सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि योजना के संचालन में नियमों की अनदेखी करते हुए पात्रता की शर्तों को दरकिनार किया गया।

### जिम्मेदार अधिकारियों पर उठे सवाल

शिकायती पत्र में जनपद पंचायत के कुछ अधिकारियों की भूमिका पर सवाल खड़े किए गए हैं। आरोप है कि आवेदन प्रक्रिया में पर्याप्त जांच-पड़ताल नहीं की गई और कई अपूर्ण दस्तावेजों वाले प्रकरणों को भी स्वीकृति प्रदान कर दी गई। जनपद अध्यक्ष का कहना है कि शासन के निर्देशों के अनुसार योजना का लाभ आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र परिवारों की कन्याओं को मिलना चाहिए था, लेकिन कथित रूप से कुछ ऐसे मामलों को भी स्वीकृत किया गया जो पात्रता की श्रेणी में नहीं आते थे। शिकायत में यह भी उल्लेख है कि कुछ लाभार्थियों के पहले से विवाहित होने संबंधी तथ्य सामने आए हैं।

### पंजीयन प्रक्रिया में गड़बड़ी की शिकायत

मामले में पंजीयन रजिस्टर में कथित हेरफेर और आवेदन क्रमांक में बदलाव के आरोप भी लगाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि आवेदन प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती गई, जिससे वास्तविक पात्र हितग्राहियों को नुकसान पहुंचा। जनपद अध्यक्ष ने कलेक्टर से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह शासन की जनकल्याणकारी योजना की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े करेगा। अब जिला प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

## युवाओं और महिलाओं को मिल रहा हुनर का नया मंच

**नवभारत,शहडोल।** आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रदेशभर में कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं ।युवाओं, महिलाओं और किसानों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से विभिन्न प्रशिक्षण योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शहडोल जिले के जनपद पंचायत सोहागपुर अंतर्गत ग्राम छतवई स्थित संत रविदास हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम में डीएमएफ योजना के तहत 50 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में गोंड़ी पेंटिंग, रॉट आयरन, काष्ठ शिल्प तथा कालीन-दरी निर्माण जैसे पारंपरिक एवं हस्तशिल्प आधारित कार्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम में लगभग 200 स्थानीय प्रशिक्षणार्थी हिस्सा ले रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को कालीन एवं दरी निर्माण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जबकि पुरुषों को काष्ठ शिल्प एवं अन्य हस्तकला कार्यों में दक्ष बनाया जा रहा है ।प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को न केवल कला में निपुण बनाया जा रहा है, बल्कि उन्हें स्वरोजगार स्थापित करने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है।

## ईद उल अजहा की नमाज सुबह 7 :30 बजे नूरी मस्जिद ग्राउंड में होगी अदा

▸ भीषण गर्मी के चलते बदला गया समय, कुर्बानी के लिए मस्जिद कमेटी ने जारी की अपील

**नवभारत,धनपुरी।** ईद उल अजहा (बकरा ईद) के पावन अवसर पर धनपुरी स्थित नूरी मस्जिद ग्राउंड में ईद की नमाज सुबह 7 :30 बजे अदा की जाएगी। नूरी मस्जिद कमेटी, धनपुरी बाजार मोहल्ला के सदर शाहनवाज अंसारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष अत्यधिक गर्मी को देखते हुए नमाज का समय सुबह रखा गया है, ताकि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि नमाज निर्धारित समय पर ही शुरू कर दी जाएगी और किसी का इंतजार नहीं किया जाएगा। इसलिए सभी लोगों से अपील की गई है कि वे समय से पहले नमाज स्थल पर पहुंच जाएं। ईदगाह एवं

मस्जिद परिसर में साफ-सफाई और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं, जिससे नमाजियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। शाहनवाज अंसारी ने बताया कि ईद उल अजहा इस्लाम धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो त्याग, बलिदान और इंसानियत का संदेश देता है। नमाज के बाद घर-घर कुर्बानी का सिलसिला शुरू होगा, जो आगामी तीन दिनों तक जारी रहेगा। कुर्बानी को लेकर मस्जिद कमेटी द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। कमेटी की ओर से कुर्बानी करवाने वाले लोगों से अनुरोध किया गया है कि वे पहले से मस्जिद कमेटी के पास अपना नाम एवं मोबाइल नंबर दर्ज करा दें, ताकि कुर्बानी के दौरान किसी प्रकार की असुविधा या अव्यवस्था उत्पन्न न हो।

# धनपुरी थाना परिसर में बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

▸ प्रशासन ने आपसी भाईचारे और शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने की अपील की

**नवभारत,धनपुरी ।** आगामी बकरीद पर्व को लेकर आज थाना धनपुरी परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर त्योहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने पर चर्चा की। इस दौरान अधिकारियों ने लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। बैठक में तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा थाना प्रभारी नगर निरीक्षक खेम सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कहा कि बकरीद का त्योहार प्रेम, त्याग और भाईचारे का प्रतीक है, इसलिए सभी नागरिकों को मिल-जुलकर इसे शांति और सद्भाव के साथ मनाना चाहिए। बैठक में मौजूद स्थानीय जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और नागरिकों ने भी प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

नगर निरीक्षक खेम सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस प्रशासन को देने की अपील की। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट साझा करने से बचें, ताकि सामाजिक सौहार्द प्रभावित न हो। बैठक में प्रशासन द्वारा बकरीद पर्व को लेकर जारी आवश्यक गाइडलाइन की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहेगा और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी। साथ ही साफ-सफाई, यातायात व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी विषयों पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की विवादित स्थिति उत्पन्न न होने दें तथा प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। बैठक में मौजूद लोगों ने भी एक स्वर में कहा कि धनपुरी क्षेत्र हमेशा से आपसी सौहार्द और भाईचारे का उदाहरण रहा है और आगे भी इस परंपरा को कायम रखा जाएगा। शांति समिति की इस बैठक का मुख्य उद्देश्य बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना रहा। बैठक के अंत में अधिकारियों ने सभी नागरिकों को आगामी बकरीद पर्व की शुभकामनाएं दीं।

ज्ञापन | सालों से अटका भुगतान, इंजीनियर करते हैं मनमानी कटौती, ठेकेदारों ने खोला मोर्चा

# बिल भुगतान में देरी से भड़के धनपुरी नगर पालिका के ठेकेदार, अध्यक्ष और सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

**नवभारत, धनपुरी।** नगर पालिका में कार्य करने वाले ठेकेदारों ने समय पर बिल भुगतान, फाइनल पेमेंट में हो रही देरी और 10 प्रतिशत अतिरिक्त कटौती सहित विभिन्न समस्याओं को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रविंदर कौर छाबड़ा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री पूजा बुनकर को ज्ञापन सौंपा। ठेकेदारों ने आरोप लगाया कि इंजीनियरों की लापरवाही और मनमानी के कारण वर्षों से उनके भुगतान लंबित पड़े हैं, जिससे आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। वहीं अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नगर पालिका धनपुरी में लंबे समय से कार्य कर रहे ठेकेदारों के सामने अब भुगतान को लेकर गंभीर स्थिति बनती जा रही है। इसी समस्या के समाधान की मांग को लेकर बड़ी संख्या में ठेकेदार नगर पालिका कार्यालय पहुंचे और अपनी विभिन्न मांगों को लेकर

नगर पालिका अध्यक्ष एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान ठेकेदारों ने अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं विस्तार से रखीं और बताया कि समय पर बिल भुगतान न होने के कारण उन्हें भारी आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ।ठेकेदारों ने आरोप लगाया कि नगर पालिका में पदस्थ इंजीनियरों द्वारा समय पर कार्यों का माप-तौल और मैनेजमेंट नहीं किया जाता। यही नहीं, कार्य पूर्ण होने के बाद भी महीनों तक बिल तैयार नहीं किए जाते, जिसके कारण भुगतान प्रक्रिया लगातार लंबित बनी रहती है। कई ठेकेदारों ने बताया कि उनके बिल एक-एक साल से अटके हुए हैं, जबकि कुछ मामलों में ढाई साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी फाइनल भुगतान नहीं किया गया है। ज्ञापन के माध्यम से ठेकेदारों ने यह भी आरोप लगाया कि इंजीनियरों द्वारा कई बार दबाव बनाकर एस्टीमेट से अधिक कटौती कर दी जाती है। ठेकेदारों का कहना है कि जब कार्य प्रारंभ कराया जाता है तब उन्हें पूरा भुगतान देने का आश्वासन दिया जाता है, लेकिन भुगतान के समय विभिन्न प्रकार की कटौतियां कर दी जाती हैं। इससे ठेकेदारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। सबसे बड़ा मुद्दा 10 प्रतिशत अतिरिक्त कटौती का भी सामने आया। ठेकेदारों ने अधिकारियों से पूछा कि आखिर यह 10 प्रतिशत कटौती किस नियम और प्रावधान के तहत की जा रही है। उन्होंने मांग की कि यदि ऐसा कोई नियम है तो उसकी प्रति उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें भी जानकारी मिल सके। ठेकेदारों का कहना था कि बिना स्पष्ट नियम बताए भुगतान में कटौती करना पूरी तरह अनुचित है। इसके अलावा एफडीआर और स्टांप एग्रीमेंट से जुड़ी समस्याएं भी ठेकेदारों ने अधिकारियों के सामने रखीं। उन्होंने बताया कि कार्य प्रारंभ करने से पहले ठेकेदारों द्वारा एफडीआर और स्टांप एग्रीमेंट के लिए आवश्यक राशि जमा की जाती है, लेकिन इसके बावजूद चार-चार महीने तक कार्यादेश जारी नहीं किए जाते। इससे कार्य प्रारंभ होने में देरी होती है और बाद में भुगतान के समय और अधिक परेशानियां खड़ी हो जाती हैं। ठेकेदारों ने यह भी कहा कि नगर पालिका में कार्य करने वाले छोटे और मध्यम स्तर के ठेकेदार सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। भुगतान में देरी होने के कारण उन्हें मजदूरों का भुगतान करने, निर्माण सामग्री खरीदने और अन्य खर्चों को पूरा करने में कठिनाई हो रही है। कई ठेकेदार आर्थिक दबाव में आ चुके हैं और बैंक ऋण तथा उधारी के सहारे काम चला रहे हैं। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री पूजा बुनकर ने ठेकेदारों की सभी बातों को गंभीरता से सुना। उन्होंने मौके पर ही संबंधित इंजीनियरों को निर्देश दिए कि सभी कार्य समय पर पूर्ण किए जाएं और ठेकेदारों के बिलों का भुगतान जल्द से जल्द सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकार की तकनीकी या प्रशासनिक समस्या आती है तो उसकी जानकारी समय पर दी जाए, ताकि समाधान निकाला जा सके। अधिकारियों ने यह भी आश्वासन दिया कि भुगतान प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाएगा और अनावश्यक देरी को समाप्त करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही जिन मामलों में कटौती की शिकायतें सामने आई हैं, उनकी भी जांच की जाएगी।

# अनाथ बच्चों के हितों को प्राथमिकता दें : कलेक्टर

▸ मिशन वात्सल्य समीक्षा बैठक में स्पॉन्सरशिप योजना और बाल संरक्षण पर हुई चर्चा

**नवभारत, शहडोल।** कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में मिशन वात्सल्य अंतर्गत जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट के विराट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में बाल संरक्षण, स्पॉन्सरशिप योजना एवं बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई ।बैठक के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के अनाथ बच्चों को शासन की स्पॉन्सरशिप योजना का अधिक से अधिक लाभ दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद बच्चों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचना सुनिश्चित किया जाए।

### चौपाटी के दुकानदारों का होगा स्वास्थ्य परीक्षण

इसके साथ ही कलेक्टर ने शहडोल की चौपाटी में दुकान लगाने वाले दुकानदारों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित करने के निर्देश भी दिए, ताकि खाद्य सामग्री की गुणवत्ता एवं नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। बैठक में जानकारी दी गई कि शासकीय स्पॉन्सरशिप योजना के तहत जिले में 10 नवीन अनाथ बच्चों, 6 दिव्यांग बच्चों एवं 9 एकल विधवा माताओं के बच्चों को लाभान्वित किया गया है। कलेक्टर ने चाइल्ड लाइन में प्राप्त शिकायतों, एएनसी पंजीयन तथा अन्य बाल संरक्षण संबंधी विषयों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा, जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की अध्यक्ष कल्याणी बाजपेयी सहित अन्य अधिकारी एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे।